3rd Term Worksheet [2018 – 19]

Subject – Hindi

Class – VIII

Name : **Sec. :**

[Hindi Language]

पाठ – 13
(अविकारी/अव्यय)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 61)**

क. क्रियाविशेषण की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ख. संबंधबोधक अव्यय की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. निम्नलिखित वाक्यों में से अव्यय शब्दों को अलग करो– **(पृष्ठ सं0 61)**

क. वह ध्यानपूर्वक पढ़ता है। ....

ख. मेरे घर के सामने वृक्ष है। ....

ग. आशीष और अवनीश भाई–भाई हैं। ....

घ. वह दिनभर खेलता रहा। ....

ङ. खूब परिश्रम करो। ....

3. विस्मयादिबोधक शब्दों के सही विकल्पों द्वारा वाक्यों को पूरा करों– **(पृष्ठ सं0 62)**

क. ....! ....! कितना गंदा घर है।

ख. ....! तुम आ गए।

ग. ....! कैसा अच्छा गाना ळें

घ. ....! मैं लुट गई।

ङ. .... तुम प्रथम आए।

4. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 62)**

क. दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द कहलाते हैं–

1. योजक ☐ 2. विभाजक ☐ 3. विकल्पसूचक ☐

ख. 'ऊपर', 'नीचे' ये शब्द संबंधबोधक अव्यय के कौन–से भेद हैं?

1. कालवाचक ☐ 2. स्थानवाचक ☐ 3. साधनवाचक ☐

ग. क्रिया की विशेषता बताने वाले अव्यय शब्द कहलाते हैं–

1. क्रिया–विशेषण ☐ 2. संबंधबोधक ☐ 3. समुच्चयबोधक ☐

घ. 'अहा!– 'वाह!', ' शाबाश!' ये शब्द विस्मयादिबोधक के कौन–से भेद हैं?

1. हर्षबोधक ☐ 2. भयबोधक ☐ 3. प्रशंसाबोधक ☐

विपरीतार्थक शब्द

प्रत्यक्ष	....	परमार्थ	....
स्वाधीन	....	सर्वज्ञ	....
साम्य	....	स्वकीया	....
स्मृति	....	संयुक्त	....
संकोची	....	तटस्थ	....
दंड	....	दाता	....
गुण	....	गुप्त	....
ग्राम	....	परिश्रमी	....
जाग्रत	....	प्रधान	....
बंधन	....	भद्र	....
भिन्न	....	मलिन	....
मूर्त	....	राग	....
विशाल	....	शत्रु	....
संधि	....	स्थूल	....
सदय	....	सृष्टि	....
सम्मुख	....	सुधा	....
जंगम	....	तीक्ष्ण	....
दिवा	....	निर्माण	....
निष्काम	....	निंदा	....
निरपेक्ष	....	पूर्ववती	....
ज्ञानी	....	नित्य	....
मौलिक	....	पाश्चात्य	....
प्रवृत्ति	....	पूर्व	....
क्षणिक	....		

पर्यायवाची शब्द

रोशनी ....

रसना ....

रक्त ....

राक्षस ....

रावण ....

राजा ....

रात ....

लक्ष्मी ....

वृक्ष ....

वायु ....

विष्णु ....

शत्रु ....

शोभा ....

समुद्र ....

सरस्वती ....

साँप ....

सूरज ....

सवेरा ....

सेना ....

सिंह ....

सोना ....

स्वर्ग ....

हनुमान ....

हिरण ....

हाथी ....

अनेकार्थी शब्द

पानी ....

भूत ....

मित्र ....

मत ....

मधु ....

मुड़ना ....

मोहर ....

मंत्र ....

युक्त ....

रस ....

रंग ....

लक्ष्य ....

लहर ....

विषय ....

विलक्षण ....

वर ....

वार ....

शक्ति ....

श्यामा ....

संकोच ....

सुरभि ....

श्री ....

सोना ....

सूत ....

संज्ञ ....

सांरग ....

हर ....

हार ....

हरि ....

अपठित गद्यांश

हमारे देश का नाम भारतवर्ष है। इसके उत्तर में हिमालय पर्वत है। दक्षिण में हिंद महासागर है। इसके पूर्व दिशा में बांग्लादेश है और पश्चिम में पाकिस्तान है। हमारे देश में समय–समय पर अनेक महापूरुषों ने जन्म लिया। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, कृष्ण, बुद्ध, गाँधी, नेहरू आदि भारत माँ के ही सपूत थे। हम भारतीयों का यह कर्त्तव्य है कि हमलोग संगठित होकर इसकी एकता और अखंडता को बनाए रखने की कोशिश करें।

उपर्यक्त गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प का चयन करो– (पृष्ट सं0 128–129)

क. 'भारतवर्ष' – के पर्यायवाची शब्दों को सही चिकल्प है–

1. आर्यावर्त, हिंदुस्तान
2. आर्यखंड, भारतभूमि
3. इंडिया, भरत
4. सोने की चिड़िया, भारत देश

ख. भारत देश के उत्तर और दक्षिण दिशा में क्या स्थित है?

1. बांग्लादेश–प्रशांत महासागर
2. हिमालय पर्वत–प्रशांत महासागर
3. हिंद महासागर–हिमालय पर्वत
4. हिमालय पर्वत–हिंद महासागर

ग. 'हिमालय'– शब्द का संधि–विच्छेद होगा–

1. हिमा + लय
2. हिम +आलय
3. हिम +अलय
4. हिमाल + य

घ. भारतवासियों का देश के प्रति कर्त्तव्य है कि–

1. वे देश की सेवा करें।
2. वे संगठित होकर इसकी एकता और अखंडता को बनाए रखने का प्रयास करें।
3. वे देश की आनबान पर कुर्बान हो जाएँ।
4. वे देश की रक्षा करें।

ङ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा?

1. 'देश की सुरक्षा'
2. 'भारतभूमि'
3. 'हमारा प्यारा भारतवर्ष'
4. 'देश के सपूत

अनुच्छेद लेखन

विभिन्न संस्कृतियों का संगम–भारत

निबन्ध

क्रिसमस

पत्र

बिजली की समस्या हेतु 'दैनिक जागरण' समाचार–पत्र के संपादक को पत्र।

पत्र

छोटे भाई को कुसंगति से बचने के लिए पत्र।

चित्रलेखन/कहानी

देवताओं में श्रेष्ठ कौन

पाठ – 15
(वाक्य विचार)

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(पृष्ठ सं0 76)**

क. वाक्य किसे कहते हैं, इसके कितने भेद होते हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. उद्देश्य और विधेय में क्या अंतर है? उदाहरण देकर स्पष्ट करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ग. संरचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं? किसी एक के विष में लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. **निम्नलिखित वाक्यां में उद्देश्य और विधेय अलग करो–** **(पृष्ठ सं0 77)**

क.	अध्यापक पाठ पढ़ाते हैं।	....	....
ख.	दिल्ली भारत की राजधानी है।	....	....
ग.	मेरा भाई कल बनारस जाएगा।	....	....
घ.	रवि सिनेमा देखने गया।	....	....
ङ.	विद्वान आदर के योग्य होते हैं।	....	....

3. **अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद के सही विकल्प का चयन करो–** **(पृष्ठ सं0 77)**

क. अहा! कितना सुंदर फूल है। (विस्मयवाचक / विधानवाचक)

ख. क्या तुमने अपना कार्य कर लिया? (आज्ञावाचक / प्रश्नवाचक)

ग. रामू यहाँ आओ। (आज्ञावाचक / संकेतवाचक)

घ. मैं आज नहीं पढ़ूँगा। (संदेहवाचक / निषेधवाचक)

ङ. अगर वह आया तो मैं चला जाऊँगा। (इच्छावाचक / संकेतवाचक)

4. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलो– **(पृष्ठ सं0 77)**

क. उसने घर आकर भोजन किया। (संयुक्त वाक्य)

....

ख. जब हार हो गई, तक चिंता करना व्यर्थ है। (सरल वाक्य)

....

ग. अच्छे लड़के परिश्रमी होते हैं। (मिश्रित वाक्य)

....

घ. मैं पेड़ पर चढ़ सकता हूँ। (निषेधवाचक)

....

ङ. मेरा सिर दर्द से फटा जा रहा है। (विस्मयवाचक)

....

5. **दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए–** **(पृष्ठ सं0 77)**

क. वाक्य में जिसके विषय में कुछ बात कही जाती है, उसे कहते हैं–

1. उद्देश्य ☐ 2. विधेय ☐ 3. उपवाक्य ☐

ख. 'सूर्यादय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे' वाक्य है–

1. सरल वाक्य ☐ 2. मिश्रित वाक्य ☐ 3. संयुक्त वाक्य ☐

ग. जिन वाक्यों में नकारात्मकता का बोध होता है, उन्हें कहते हैं–

1. प्रश्नवाचक ☐ 2. निषेधवाचक ☐ 3. इच्छावाचक ☐

<u>वाक्यांश के लिए एक शब्द</u>

1. युद्ध करने की प्रबल इच्छा वाला ....
2. जिसके रोंगटे खड़े हो गये हों ....
3. किसी राष्ट्र का सबसे बड़ा राज्याधिकारी ....
4. इस लोक से संबंध रखने वाला ....
5. लंबे या बड़े उदर (पेट) वाला ....
6. वस्तुओं की बिक्री करने वाला ....
7. जो व्यर्थ की बहुत बातें करता है ....
8. जिस पर विश्वास किया जा सके ....
9. वह स्त्री जिसका पति मर गया हो ....
10. जो स्त्री बहुत योग्य हो ....
11. जिसका कोई अंग बेकार हो गया हो ....
12. वंश में उत्पन्न व्यक्ति ....
13. शरण में आया हुआ ....
14. सौ वर्षों की अवधि की समय वाली ....
15. संचय किया हुआ ....
16. जिसके संबंध में संदेह हो ....
17. मांस से युक्त ....

18. जो अक्षरों का पढ़ना लिखना जानता हो ....
19. जो सबको समान भाव से देखता हो ....
20. सात दिनों की अवधि ....
21. जो अपनी पत्नी के साथ हो ....
22. वह स्त्री जिसका पति जीवित हो ....
23. जो किसी के अधीन हो ....
24. जो स्मरण रखने योग्य हो ....
25. जो स्वर्ग सिधार गया हो ....
26. भला या हित चाहने वाला ....
27. जो हाथ से लिखा गया हो ....
28. दूसरों को जान से मार डालने वाला ....
29. जिसे सुनकर हृदय फटता हो ....

समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द

1.	नारी	....	2.	बालू	....
	नाड़ी	....		भालू	....
3.	बदन	....	4.	बात	....
	वदन	....		वात	....
5.	बलि	....	6.	भवन	....
	बली	....		भुवन	....
7	मूल्य	....	8	परिणाम	....
	मूल	....		परिमाण	....
9.	प्रमाण	....	10.	प्रसाद	....
	प्रणाम	....		प्रासाद	....
11.	पट	....	12.	प्रतिहार	....
	पटु	....		परिहार	....
13.	पुरुष	....	14	प्रकार	....
	परुष	....		प्राकार	....
15.	मैल	....	16.	लक्ष्य	....
	मेल	....		लक्ष	....
17.	सकल	....	18.	समान	....
	शकल	....		सम्मान	....
19.	सूर	....	20.	हास	....
	शूर	....		ह्रास	....

मुहावरे

1. कलेजे का टुकड़ा – ....

....

....

2. कलेजा धक से रह जाना– ....

....

....

3. कहासुनी होना– ....

....

....

4. कान पर जूँ न रेंगना– ....

....

....

5. काफूर होना – ....

....

....

6. कान भरना – ....

....

....

7. किताबी कीड़ा होना – ....

....

....

8. खिचड़ी पकाना–..

....

....

9. खुले हाथ – ....

....

....

10. खयाली पुलाव पकाना– ....

....

....

11. खून का घूँट पीना– ....

....

....

12. खून–पसीना एक करना– ....

....

....

13. गंगा नहाना – ....

....

....

14. गले का हार होना – ....

....

....

15. गागर में सागर भरना – ....

....

....

16. गाल फुलाना – ....

....

....

17. गूलर का फूल– ....

....

....

18. गड़े मुर्दे उखाड़ना– ....

....

....

लाकोक्तियाँ

1. घर का भेदी लंका ढावे – ....

....

....

2. घर की मुरगी दाल बराबर – ....

....

....

3. चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात– ....

....

....

4. चमड़ी जाए पर दमड़ी जाए– ....

....

....

5. छछूंदर के सिर पर चमेली का तेल– ....

....

....

6. जो गरजते हैं वो बरसते नहीं– ....

....

....

7. जाको राखै साइयाँ मारि सकै ना कोय– ....

....

....

8. जैसी करनी वैसी भरनी–..

....

....

9. तू डाल–डाल मैं पात–पात – ....

....

....

10. धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का – ....

....

....

11. दूध का दूध पानी का पानी– ....

....

....

12. बाप बड़ा न भइया सबसे बड़ा रुपैया– ....

....

....

13. नाच न आवे आँगन टेढ़ा – ....

....

....

14. न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी– ....

....

....

निबन्ध

भारत की सांस्कृतिक एकता एवं अखण्डता

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ– 21
(विराम चिह्न)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 119)**

क. विराम चिह्न से आप क्या समझते हैं? इसका प्रयोग क्यों किया जाता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

ख. अल्प विराम का चिह्न बताते हुए लिखो कि इनका प्रयोग किन स्थितियों में किया जाता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. **निम्नलिखित वाक्यों के साथ उपयुक्त विराम चिह्न लगाओ–** **(पृष्ठ सं0 119)**

क. टी०वी० का आविष्कार सन् 1925 में हुआ

ख. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे

ग. हमें हार–जीत में एक समान रहना चाहिए

घ. सुभाषचंद्र बोस ने कहा तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा

ङ. अहा कितना सुदंर दृश्य है

3. **निम्नलिखित विराम चिह्नों के उपयोग पर प्रकाश डालो–** **(पृष्ठ सं0 119)**

क. उद्धरण चिह्न ("")

....

ख. कोष्ठक चिह्न (( ))

....

ग. लाघव चिह्न (०)

....

घ. प्रश्नवाचक विह्न (?)

....

ङ. निर्देशक चिह्न (–)

....

<u>शब्दों के सही रूप</u>

बाल्मीकी	....	रमायण	....
स्मृद्ध	....	सिंघ	....
संजम	....	संतोस	....
स्मर्ण	....	सप्ताहिक	....
संघठन	....	स्वाभाविक	....
मरन	....	मरयादा	....
म्हात्मा	....	महानता	....
योज्ञता	....	यग्य	....
रितु	....	रिग्वेद	....
रूपये	....	रुठ	....
रिति	....	संपति	....
सडक	....	वृथि	....
हरस्व	....	हस्ताक्षेप	....
हथोड़े	....	हितैसी	....
हेतू	....	छत्रिय	....

संवाद लेखन

पिता–पुत्री में विषय के चुनाव को लेकर वार्तालाप–

[Hindi Literature]

पाठ –18
(नींव की ईंट)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 112)**

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
आवरण	–	....	अंधकूप	–	....
शिवम्	–	....	शहादत	–	....
भद्दापन	–	....	आधारशिला	–	....
लोक–लोचनों	–	....	मूढ़	–	....
अस्ति–नास्ति	–	....	अनुप्राणित	–	....
पायदारी	–	....	वासना	–	....
मुनहसिर	–	....	आतुर	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(पृष्ठ सं0112)**

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''वह ईंट, जिसने अपना आसित्व इसलिए विलीन कर दिया कि संसार एक सुंदर सृष्टि देखे। सुंदर सृष्टि! सुंदर सृष्टि हमेशा ही बलिदान खोजती है, बलिदान ईंट का हो या व्यक्ति का।''

क. लेखक ने नींव की ईंट किसे बताया है?

उ0 ....

....

....

ख. नींव की ईंट का क्या अर्थ है?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. सुंदर सृष्टि से क्या अभिप्राय है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

घ. क्या सुंदर सृष्टि बलिदान खोजती है?

उ0 ....

....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—** **(पृष्ठ सं0112)**

क. दुनिया क्या देखती है?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. नींव की ईंट और कँगूरे की ईंट, दोनों क्यों वंदनीय हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ग. नींव की ईंट ने अपने लिए अंधकूप क्यों कबूल किया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

घ. गिरजाघर के कलश किनकी शहादत से चमकते हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ङ. विदेशी वृत्रासुर का क्या तात्पर्य है? वे कौन थे?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

च. आजकल के नौजवानों में कँगूरा बनने की होड़ क्यों मची हुई है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

छ. आज देश को कैसे नौजवानों की ज़रूरत है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. आशय स्पष्ट कीजिए– **(पृष्ठ सं071)**

''सुंदर समाज बने इसलिए कुछ तपे–तपाए लोगों को मौन–मूक शहादत का सेहरा पहनना है।''

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ – 20
(सच हम नहीं, सच तुम नहीं)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 122)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
सतत	–	....	संघर्ष	–	....
नत	–	....	वृंत	–	....
कुसुम	–	....	मरण	–	....
जड़ता	–	....	कूल	–	....
खिन्नता	–	....	नीर	–	....
प्रणय	–	....			

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(पृष्ठ सं0122)**

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''जो पंथ भूल रुका नहीं
जो हार देख झुका नहीं
जिसने मरण को भी लिया हो जीत
है जीवन वही सच हम नहीं सच तुम नहीं''

क. उपर्युक्त काव्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

उ0 ....

....

ख. जीवन में जीत किसकी होती है?

उ0 ....

....

ग. जीवन में सच्चाई क्या है?

उ0 ....

....

....

घ. 'हार' शब्द के दो भिन्न–भिन्न अर्थ लिखिए।

उ0 ....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं0123)**

क. इस कविता का संदेश क्या है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ख. कविता में नत मनुष्य को क्या कहा गया है और उसकी तुलना किससे की गई है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ग. राही को दिशा कैसे प्राप्त होती है?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. भावार्थ लिखिए–

''अपने हृदय का सत्य
अपने आप हम को खोजना।
अपने नयन का नीर,
अपने आप हमको पोछना।''

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. कविता का जो अंश आपको प्रेरणाप्रद लगा हो, उसे सुंदर अक्षरों में लिखिए– **(पृष्ठ सं0123)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ –22
(आंतरिक शुचिता भी आवश्यक है)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 48)**

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
सर्वत्र	–	....	स्वाधीन	–	....
संपूर्ण	–	....	लक्ष्यभ्रष्ट	–	....
परवर्ती	–	....	सुकर	–	....

जाग्रत	–	....	धन–लिप्सा	–	....
निकृष्ट	–	....	प्रत्यक्ष	–	....
परिहास	–	....	निष्ठुर	–	....
शुचिता	–	....	औदार्य	–	....
अतीत	–	....	वांछनीय	–	....
संरक्षण	–	....			

विषय–वस्तु का ज्ञान

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं0132)**

''जिस प्रकार भौतिक पदार्थ के उत्पादन के लिए आवश्यक है कि हम अपनी उत्पादन–शक्ति का परिपूर्ण उपयोग करें, उसी प्रकार आंतरिक शुचिता और बाहरी संयम के लिए हमें नवीन और पुरातन समस्त उपलभ्य साधनों का उपयोग करना चाहिए।''

क. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए।

उ0 ....

....

ख. भौतिक पदार्थ के उत्पादन के लिए क्या आवश्यक है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. आंतरिक शुचिता के लिए हमें क्या करना होगा?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

घ. विलोम शब्द लिखिए– आवश्यक, उपयोग, नवीन।

उ0 ....

....

....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं0132–133)**

क. धन प्राप्त करने के लिए हमें क्या करना होगा?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ख. जनता को सच्चे अर्थ में शिक्षित किस प्रकार बनाया जा सकता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ग. मनुष्य से भी निकृष्ट किन कारणों से बन जाता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

घ. आंतरिक शुचिता से क्या तात्पर्य है? इसके न होने से क्या हानि है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ङ. कौन–सी शक्ति हमें गलत दिशा में ले जाती है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करिए– **(पृष्ठ सं0 133)**

क. स्वाधीन भारत के सामने अनेक .... कार्य हैं।

ख. लोभ–मोह को बढ़ावा देने से मनुष्य की .... आहत होती है।

ग. अतीत ही .... को जन्म देता है।

घ. हमोर पुराने ग्रन्थ, हमारे .... भग्नावशेष और हमारी .... कृतियाँ हमें महान और उदार बनाती हैं।

ङ. .... उन्नति लाभजनक नहीं हो सकती।